



बारिश और हवा से धान की फसल को व्यापक क्षति

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात के कारण गुरुवार से ही चल रही हल्की बारिश के शनिवार को जोर पकड़ लेने से

तेज होने के साथ ही दिन भर चलती रही। जिससे नवम्बर माह में पककर तैयार होने वाली काला नमक, बासमती, संभा मंसूरी आदि महीन



जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। बारिश से कृषि उत्पादों को हुई भारी क्षति से किसान परेशान हो उठे हैं। बांसागांव प्रतिनिधि के अनुसार गुरुवार की दोपहर से क्षेत्र में डेरा डाले बादलों से हल्की बारिश शुरू हो गयी। हल्की हवा के साथ रात भर चली बारिश शुक्रवार की सुबह से

और मुलायम प्रजाति की धान की फसलों के खेतों गिर जाने से किसानों को भारी क्षति उठानी पड़ी है। इस बारिश से सरसो, चना, मटर, आलू तथा खेतों में लगाई गयीं सब्जियों फसलों को भी भारी क्षति पहुंची है। इस बारिश के कारण सड़कों और बाजारों में सलाटा पसरा

रहा। सरकारी कार्यालयों में भी काम के लिए आने वालों की संख्या नगण्य सी रही। बारिश से ठंड बढ़ जाने से लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है। पशुपालकों के समक्ष भी दिक्कत पैदा हो गयीं। देर रात खबर लिखे जाने तक बारिश का सिलसिला जारी था।

बांसागांव उपनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में दो दिनों से अनवरत चल रही बारिश के कारण क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बाधित होती रही। शनिवार की सुबह से शाम तक बिजली के लिए लोग तरसते रहे। हालात ऐसे बताये जा रहे हैं कि आपूर्ति को बहाल करने के लिए सबस्टेशन के कंट्रोल रूम से बार-बार होल्ड किये जा रहे फीडर ट्रिप हो जा रहे थे। जिससे बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पा रही थी। मौसम की बेरुखी के बीच लाइनमैनों के अथक प्रयास से देर शाम तहसील मुख्यालय पर बिजली की आपूर्ति बहाल हो जाने से लोगों को राहत की सांस मिल गयी है।

एमपी इंटर कॉलेज के सामने नाली में गिरी कार मुस्तैद रहा नगर निगम प्रशासन

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। चक्रवात अर्नब के प्रभाव से महानगर क्षेत्र में हुई 40 मिलीमीटर बारिश के दौरान गोरखपुर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। नगर निगम

तैयारियों और प्रभावी प्रबंधन के चलते सभी पंपिंग स्टेशन एवं स्थायी-अस्थायी पंप सुचारु रूप से संचालित रहे। जल निकासी व्यवस्था को निर्बाध रखने के लिए सफाई एवं



के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं धरातल पर उतरकर स्थिति का जायजा लिया और पूरे महानगर में सतर्क निगरानी बनाए रखी। अधिकारियों की सजगता और त्वरित कार्यशैली के फलस्वरूप शहर में कहीं भी जलजमाव की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई और जनजीवन पूरी तरह सामान्य बना रहा नगर निगम की पूर्व

तकनीकी कर्मचारियों को सूरक्षा किट प्रदान कर फौल्ड में तैनात किया गया था। इस दौरान अपर नगर आयुक्त, महाप्रबंधक जलकल, मुख्य अभियंता निर्माण, जोनल अधिकारी, मुख्य सफाई निरीक्षक सहित समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को संभालते नजर आए।

एमपी इंटर कॉलेज के सामने नाली में गिरी कार

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। शहर में 29 अक्टूबर से हो रही लगातार बारिश के बीच जलभराव और सड़क की स्थिति लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। शुक्रवार को एमपी इंटर कॉलेज के सामने एक कार नाली में गिर गई। घटना के बाद कार चालक वाहन को बाहर निकालने के लिए काफी देर तक मशकत करता रहा। कार को नाली से बाहर निकालने में असमर्थ होने पर चालक ने आसपास मौजूद लोगों और आम जनता से मदद की गुहार लगाई। लोगों के सहयोग से वाहन निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद कार बाहर नहीं निकल सकी। इस दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई लगातार बारिश के कारण सड़क और नाली के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं होने तथा जलभराव की स्थिति में वाहन चालकों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। घटना ने सड़क किनारे नालियों की स्थिति और जलभराव से पैदा हो रहे खतों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

यूपीएसीकॉन एम्स में 26 नवंबर से होगा आयोजित

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। आगामी 26 से 29 नवंबर तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गोरखपुर में आयोजित होने वाला यूपीएसीकॉन-2026 चिकित्सा विशेषज्ञों के व्यापक समागम के साथ पूर्वांचल की सांस्कृतिक और उद्यमशील पहचान को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। आयोजन सचिव डॉ. शिव शंकर शाही ने कहा कि गोरखपुर की पहचान केवल एक ऐतिहासिक और धार्मिक नगर तक सीमित नहीं है। यह भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना, विशिष्ट शिल्पकला और उभरती उद्यमिता का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। डॉ. शाही ने कहा कि यूपीएसीकॉन-2026 को चिकित्सा विशेषज्ञता और गोरखपुर की सांस्कृतिक अस्मिता के संगम के रूप में विकसित करना उनका उद्देश्य है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि इस अवसर को केवल चिकित्सा संस्थानों तक सीमित न रहने दें, बल्कि सामूहिक सहभागिता से इसे पूरे गोरखपुर के गौरव और आतिथ्य का उत्सव बनाएं।

पीईटी में 14,246 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित, दोनों पालियों में 32,170 ने दी परीक्षा

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के दूसरे दिन



शुक्रवार को गोरखपुर के 52 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों की परीक्षा सुकूल संघन हुई। शुक्रवार को दोनों पालियों में कुल 32,170 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 14,246 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पहली पाली में 16,189 और दूसरी

दीपावली से पूर्व सीएम योगी देंगे 1663 करोड़ की 88 विकास परियोजनाओं का गिफ्ट

कार्यालय प्रतिनिधि गोरखपुर, ३० अक्टूबर। गोरखपुर की बदलती तस्वीर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के संकल्प को गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीपावली से एक सप्ताह पहले ही, एक नवंबर को जिले को करीब 1663 करोड़ रुपये की लागत वाली 88 विकास परियोजनाओं का दीपावली उपहार देने जा रहे हैं। इन परियोजनाओं में रोड कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, नगरीय जीवन सुगमता, बाढ़ से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। सीएम योगी, चौरौचौरा क्षेत्र को जाम से मुक्ति दिलाने वाले महत्वपूर्ण रेल ओवरब्रिज का लोकार्पण करने के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर, बाढ़ बचाव, गोरखपुर शहर के जलभराव और सीवर प्रबंधन से संबंधित गोड्डोड्डया नाला परियोजना फेज एक का लोकार्पण और परियोजना के फेज दो, नाले के समानांतर सड़क और गोरखपुर सीवरेज योजना जोन ए 3 का शिलान्यास करेंगे। एक नवंबर को मुख्यमंत्री के सार्वजनिक कार्यक्रमों की आगामी श्रृंखला चौरौचौरा विधानसभा क्षेत्र से होगी। सीएम योगी भोपा बाजार में 59.44 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुए रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन करने के साथ ही कुल 287.56 करोड़

रुपये की लागत वाली 84 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। चौरौचौरा क्षेत्र में जिन परियोजनाओं की सौगात मिलने जा रही है, उनमें बाढ़ बचाव और रोड कनेक्टिविटी



के कई कार्य शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण परियोजना रेल ओवरब्रिज की है। गोरखपुर-भटनी रेल खंड पर स्थित समपार संख्या 147बी पर वर्षों से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और स्कूली बच्चों को भीषण जाम

का सामना करना पड़ता था। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों एक नवंबर को ही जलभराव और सीवर प्रबंधन की समस्या को दूर करने वाली गोड्डोड्डया नाला परियोजना की भी सौगात मिलने जा रही है। सीएम योगी 495.24 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हो चुके गोड्डोड्डया नाला फेज एक का लोकार्पण और करेंगे। 92.72 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले फेज दो, नाले के समानांतर 65.93 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क और 721.40 करोड़ रुपये की लागत वाली गोरखपुर सीवरेज योजना जोन ए 3 का शिलान्यास भी करेंगे। गोड्डोड्डया नाला के समानांतर सर्विस रोड का निर्माण भी कराया जाएगा। मुख्यमंत्री इसका भी शिलान्यास करेंगे। 7.75 किमी लंबाई में सड़क के निर्माण पर 65.93 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस सड़क के बन जाने से नाले के किनारे बसे शहरवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इस परियोजना में चैनैज 0 से 7.750 किमी तक नाले के दोनों ओर 23.75 मीटर चौड़ाई में कैरेजवे निर्माण, सौंदर्यीकरण हेतु पौधरोपण, सुरक्षा हेतु क्रैश बैरियर और 2प्रकाश के लिए स्ट्रीट लाइट पोल लगाने का कार्य भी शामिल है।

चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव के बीच मुस्तैद रहा नगर निगम प्रशासन

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। चक्रवात अर्नब के प्रभाव से महानगर क्षेत्र में हुई 40 मिलीमीटर बारिश के दौरान गोरखपुर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। नगर निगम

तैयारियों और प्रभावी प्रबंधन के चलते सभी पंपिंग स्टेशन एवं स्थायी-अस्थायी पंप सुचारु रूप से संचालित रहे। जल निकासी व्यवस्था को निर्बाध रखने के लिए सफाई एवं



के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं धरातल पर उतरकर स्थिति का जायजा लिया और पूरे महानगर में सतर्क निगरानी बनाए रखी। अधिकारियों की सजगता और त्वरित कार्यशैली के फलस्वरूप शहर में कहीं भी जलजमाव की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई और जनजीवन पूरी तरह सामान्य बना रहा नगर निगम की पूर्व

तकनीकी कर्मचारियों को सूरक्षा किट प्रदान कर फौल्ड में तैनात किया गया था। इस दौरान अपर नगर आयुक्त, महाप्रबंधक जलकल, मुख्य अभियंता निर्माण, जोनल अधिकारी, मुख्य सफाई निरीक्षक सहित समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को संभालते नजर आए।

एमपी इंटर कॉलेज के सामने नाली में गिरी कार

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। शहर में 29 अक्टूबर से हो रही लगातार बारिश के बीच जलभराव और सड़क की स्थिति लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। शुक्रवार को एमपी इंटर कॉलेज के सामने एक कार नाली में गिर गई। घटना के बाद कार चालक वाहन को बाहर निकालने के लिए काफी देर तक मशकत करता रहा। कार को नाली से बाहर निकालने में असमर्थ होने पर चालक ने आसपास मौजूद लोगों और आम जनता से मदद की गुहार लगाई। लोगों के सहयोग से वाहन निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद कार बाहर नहीं निकल सकी। इस दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई लगातार बारिश के कारण सड़क और नाली के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं होने तथा जलभराव की स्थिति में वाहन चालकों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। घटना ने सड़क किनारे नालियों की स्थिति और जलभराव से पैदा हो रहे खतों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

पीईटी में 14,246 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित, दोनों पालियों में 32,170 ने दी परीक्षा

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के दूसरे दिन



शुक्रवार को गोरखपुर के 52 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों की परीक्षा सुकूल संघन हुई। शुक्रवार को दोनों पालियों में कुल 32,170 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 14,246 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पहली पाली में 16,189 और दूसरी

पाली में 15,981 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। पहली पाली में 23,208 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। इनमें से 16,189 अभ्यर्थी

पहले दिन दोनों पालियों में 34,516 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी, जबकि 11,900 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रकार 25 और 30 अक्टूबर को आयोजित चार पालियों की परीक्षा में अब तक कुल 66,686 अभ्यर्थी परीक्षा दे चुके हैं। दोनों दिनों में कुल 26,146 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे हैं। जिलाधिकारी दोमक मीणा के निर्देशन में परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। परीक्षा के नोडल अधिकारी एडीएम सिटी गजेन्द्र कुमार ने सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की। सभी 52 परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मॉनिटरिंग की तैनाती की गई थी, जबकि सेक्टर मॉनिटरों को भी परीक्षा की निगरानी और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परीक्षा संचालन पर नजर बनाए रखी।

हिंसा को हमेशा चोटों के निशान से नहीं पहचाना जा सकता-प्रो. चारु गुप्ता

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग ने साउथ एशिया में जेंडर-बेस्ड वायलेंस इन साउथ एशिया लिटरेचर, कल्चर एंड मीडिया पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस स्य संगोष्ठी के संरक्षक कुलपति प्रो. कृष्ण पाल सिंह, संयोजक प्रो. सुनीता मुर्मू अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, सह संयोजक डॉ बुजेश कुमार, आयोजक डॉ संजीव कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के प्रो गौरवर्षि बेहरा, प्रो. अजय कुमार चौबे, डॉ पंकज कुमार सिंह, डॉ कल्पना दिवाकर एवं दर्शनशास्त्र के डॉ संजय कुमार राम, हिंदी विभाग के डॉ राम नरेश राम और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक गण एवं शोधार्थी उपस्थित हुए। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि प्रो. चारु गुप्ता, इतिहास विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने कहा कि लैंगिक हिंसा को हमेशा चोटों के निशान से नहीं पहचाना जा सकता; हिंसा मानसिक भी हो सकती है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में अंग्रेजी विभाग की प्रो. धृति रे दलाई ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के संदर्भ में, दिव्यांग महिलाओं की अनेकखी और उनके प्रति व्यवस्थागत उदासीनता से जुड़ी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि इससे जुड़े डेटा की कमी एक बड़ी

समस्या है, जिसके कारण दिव्यांग महिलाएं हाशिए पर चली जाती हैं। दिव्यांग महिलाओं के हिंसा का



शिकार होने के कारणों में संरचनात्मक उपेक्षा, पितृसत्ता और देखभाल की उदासीनता एवं भेदभावपरक राजनीतिक अर्थव्यवस्था शामिल हैं।

पेयजल की गुणवत्ता जांची

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिये उन्हें शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों एवं आवासीय कॉलोनिंगों में पानी की टैंकियों, वाटर कुलर, टैप, फिल्टर तथा पाइप लाइनों की निरन्तर निगरानी एवं रखरखाव का कार्य प्रारंभिकता पर किया जा रहा है। रेलवे के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों,स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा पेयजल की सुरक्षित बजाये हेतु अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण, जीवाणु संवर्धन परीक्षण एवं रासायनिक विश्लेषण नियमित रूप से किये जा रहे हैं।

सीआईएसएफ जवान की मौत पर उठे सवाल

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। सीआईएसएफ जवान कर्मवीर यादव की मौत का मामला कई अनुसूचने सवालों के बीच उलझा हुआ है। परिवार ने मेडिकल रिपोर्ट, घटनास्थल की परिस्थितियों और पत्नी के बयान के आधार पर निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। कर्मवीर की पत्नी के मुताबिक, जब उन्होंने पति का शव देखा तो गले के पास हल्की चोट दिखाई दी थी। शरीर के अन्य किसी हिस्से पर उन्हें कोई चोट नजर नहीं आई। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि उनके कपड़ों पर भी खून का कोई निशान नहीं था। वहीं, परिजनों का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट में 10 सेंटीमीटर और 6 सेंटीमीटर के घाव का उल्लेख है, जबकि घटनास्थल पर भी खून का कोई निशान

नहीं मिला था। इन परिस्थितियों को लेकर परिवार ने सवाल उठाया है कि आखिर कर्मवीर के साथ



उस रात क्या हुआ था? पिता दिनेश चन्द्र यादव ने मामले की जांच सीबीसीआईडी अथवा किसी

दूसरी स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग की है।

शुक्रवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब में न्याय की गुहार लगाने पहुंचे पिता दिनेश चन्द्र यादव के साथ मां, पत्नी, बेटे, बहन और तीन भाई फूट-फूटकर रो पड़े। परिवार की चीख-पुकार से प्रेस क्लब का माहौल गमगीन हो गया। पिता ने सवाल उठाया कि मजबूत कर-काठी वाले सीआईएसएफ जवान की हत्या क्या अकेला कैब चालक कर सकता है? उन्होंने आशंका जताई कि इस वादयत में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। परिवार चाहता है कि मेडिकल रिपोर्ट, घटनास्थल की स्थिति और घटना से

पहले जवान की ओर से किए गए फोन कॉल को भी जांच में शामिल किया जाए।

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

विधि संवाददाता गोरखपुर, ३० अक्टूबर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति अजय भनोट (न्याय कक्ष संख्या 49) द्वारा अधिवक्ता का अपमान किये जाने के विरोध में जिला अधिवक्ता एसोसिएशन के समर्थन पर शुक्रवार को एक आवश्यक बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडेय की अध्यक्षता में हुई। यह जानकारी एसोसिएशन के मंत्री चंद्र प्रकाश मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति अजय भनोट द्वारा अधिवक्ता का

अपमान करते हुए न्यायालय कक्ष में ही पुलिस कर्मी के समक्ष माफ़ी मांगवाने एवं जेल भेजने की धमकी देते हुए उसके साथ अमानवीय व्यवहार किए जाने से अधिवक्ता मर्माहत है। न्यायमूर्ति अजय भनोट द्वारा किए गए इस कृत्य की अधिवक्ताओं ने चोर पिन्दा एवं भ्रष्टाचार की तथ्य इस घटना के विरोध में शुक्रवार को न्यायिक कार्य नहीं किया। बैठक में अधिवक्ताओं ने हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के मांगो का पूर्ण समर्थन किया तथा न्यायमूर्ति अजय भनोट के विरुद्ध कार्यवाही की मांग किया।

सिंचाई संघ ने सौंपा जापन गोरखपुर, ३० अक्टूबर।

आह्वान पर शुक्रवार को सिंचाई संघ, नलकुप खंड प्रथम, गोरखपुर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित जापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष दुर्गाविजय, मंत्री दिनेश यादव तथा मंडल मंत्री अनुराग पाण्डेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित नगर मजिस्ट्रेट, गोरखपुर एवं अधिशासी अभियंता, नलकुप खंड प्रथम, गोरखपुर को जापन सौंपकर कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग की।

करवा चौथ की पूजा के दौरान महिला की नाक में लगी गोली, मची अफरा-तफरी

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। रामगढ़वाला थाना क्षेत्र के गोपालपुर मोहल्ले में करवा चौथ की पूजा के दौरान एक सप्तसौखेज घटना सामने आई। पति की लंबी त्रुटि की कामना के लिए छत पर पूजा कर रही 45 वर्षीय विजया चौहान की नाक में अचानक गोली लग गई। गोली लगते ही वह लहलुहाते होकर गिर पड़ी। घटना से छत पर मौजूद परिवार की महिलाओं

करवा चौथ की पूजा के दौरान महिला की नाक में लगी गोली, मची अफरा-तफरी

और किराएदारों में अफरातफरी मच गई। घायल महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार, विजया चौहान के पति आलोक चौहान गोपालपुर मोहल्ले में ही किराना और अंडे की दुकान चलाते हैं। करवा चौथ के अवसर पर विजया घर की तीसरी मंजिल की छत पर परिवार की अन्य महिलाओं और किराएदारों के साथ पूजा और कथा सुन रही थीं। इसी दौरान अचानक पूरब दिशा की ओर से आई गोली उनकी नाक पर आ लगी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के समय उनके पति आलोक चौहान भी घर के अन्य सदस्यों के साथ मौजूद थे। महिला को गोली लगने के बाद परिजनों में हड़कप मच गया। घायल विजया को अस्पताल पहुंचाने के लिए परिजनों ने डायल 112 पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो सकी। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। रात करीब 10.30 बजे हालत में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस मामले में परिवार के लोगों ने पुलिस को एक गोली भी सौंपी है, जो घटना के बाद छत पर पड़ी मिली थी। पुलिस गोली को कब्जे में लेकर यह पता लगाने में जुटी है कि गोली किस दिशा से और कहाँ से चलाई गई। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि रामगढ़वाला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रांरिक जांच में एयरान से गोली लगने की बात सामने आई है। मामले में मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सीडीओ के औचक निरीक्षण के बाद चला विशेष सफाई अभियान

गोरखपुर, ३० अक्टूबर। विकास भवन में कार्यालयों और परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) शाश्वत त्रिपुरारी के औचक निरीक्षण का अमर शुक्रवार सुबह से ही दिखाई देने लगा। बृहस्पतिवार को किए गए निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में गंदगी और कुछ कर्मचारियों की अनुपस्थिति मिलने पर सीडीओ ने कड़ी नाराजगी जताई थी। उन्होंने संबंधित कार्यालय प्रभारियों को फटकार लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके बाद शुक्रवार को विकास भवन में सुबह से ही विशेष सफाई अभियान शुरू करा दिया गया।

गलियायों, सीढ़ियों और परिसर के अन्य हिस्सों की भी सफाई कराई गई। अचानक शुरू हुए इस विशेष



परिसर की गंदगी पर जताई थी नाराजगी, अनुपस्थित कर्मचारियों को लेकर भी जारी हुआ था नोटिस

अभियान से विकास भवन में साफ- त्रिपुरारी ने विकास भवन स्थित

विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान कई कार्यालयों में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। स्थिति परिसर में भी जगह-जगह गंदगी दिखाई दी। इसके अलावा कुछ कर्मचारी अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित मिले। सरकारी कार्यालयों में इस तरह की स्थिति पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए कार्यालय प्रभारियों को अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन करने की हिदायत दी थी। साथ ही संबंधित लोगों से स्पष्टीकरण मांगने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था शुक्रवार को जिस तत्परता के साथ सफाई अभियान चलाया गया, उससे यह सवाल भी उठता है कि यदि नियमित रूप से इसी तरह साफ-सफाई पर ध्यान दिया जाता तो विकास भवन के कार्यालयों और परिसर में गंदगी जमा होने की नौबत ही नहीं आती।